# पतियों की अदला बदली-1

“यह हिन्दी सेक्स स्टोरी एक मॉड कपल की है जो दोनों ही खुली मस्तमौला जिन्दगी जी रहे हैं, दोनों में आपस में पूरा सामंजस्य है। पति के ऑफ़िस में नया बॉस आया तो… मज़ा लीजिए। …”

**Story By: sunny Verma (sunnyverma)**
**Posted: Wednesday, January 4th, 2017**
**Categories: बीवी की अदला बदली**
**Online version: पतियों की अदला बदली-1**


*Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire*

# पतियों की अदला बदली-1

दोस्तो, आप मेरी हिन्दी सेक्स स्टोरीज का आनन्द ले रहे हैं, जान कर खुशी होती है।
अब मेरी जो भी कहानियाँ आ रही हैं वो आप लोगों द्वारा मुझे भेजे गए आपके तजुर्बे पर आधारित हैं… यानी ये वास्तविक घटनाओं पर आधारित हैं, मैंने तो पास उनमें कल्पना के पंख लगाकर जिन्दादिली के रंग भर कर बस शब्दों में पिरो भर दिया है।

ये दिल मांगे मोर… यानि आज हर शादीशुदा जोड़ा कुछ नया चाहता है और करता है… आप बस मुझे अपने किस्से भेजते रहिये और मैं उन्हें अन्तर्वासना पर सबके लिए भेजता रहूँगा।

आज की कहानी रेखा और अनिल की कहानी है जिनका नोएडा में नई बनी कालोनी में डुप्लेक्स फ्लैट है। डुप्लेक्स फ्लैट में दो फ्लैट ऊपर नीचे थे जिनमें बाहर से तो रास्ता था ही और अंदर भी एक जीने से दोनों में आया जा सकता था।

बड़ा फ्लैट इसलिए लिया था कि पैसे की कमी थी नहीं और कभी अनिल का छोटा भाई भी नोएडा शिफ्ट हो सकता था।
अभी ऊपर का पोर्शन खाली पड़ा था किसी किरायेदार के इन्तजार में!

अनिल अपनी कंपनी में मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव था अत: हफ्ते में दो दिन के लिए टूर पर रहता था, रेखा मिरांडा हाउस की पढ़ी हुई अल्ट्रा मॉड लड़की थी… शादी के दो साल बाद भी वो अभी बच्चे के चक्कर में पड़ने को तैयार नहीं थी।
मस्ती से रहना… ढेर सारे शौक रखना और पैसे से एश करना उसे भाता था।

अनिल और उसकी लव मैरिज थी.. अनिल भी बांका जवान था और सेक्स में थ्रिल पसंद

करता था। सेक्स की चाहत दोनों में कूट कूट कर भरी थी।
चाहे वो डिस्को थेक हो या नाईट क्लब… अनिल और रेखा को पराये मर्द या लड़की के साथ चिपटने में कोई ऐतराज नहीं था। और ऐसे ही वाटर पार्क में मस्ती और रोमांच का कोई मौका वो छोड़ते नहीं थे। वाटर पार्क में ऊपर से स्लाइड में रेखा हमेशा ही किसी जवान लड़के के साथ ही राफ्ट में बैठती और जाहिर है उस रोमांच में वो लड़का उसके मम्मे कहीं ना न कहीं दबा ही देता था और वो भी उसका लंड छू लेती थी ‘उम्म्ह… अहह… हय… याह…’

अनिल जब टूर से लौटता तो रेखा भूखी शेरनी की तरह उसका शिकार करती. उन्होंने लॉबी में होम थिएटर लगा रखा था, जब उस पर वो पोर्न मूवी लगाते तो माहौल गर्म हो ही जाता था।

रेखा इतनी मस्त थी की एक बार तो उसने अपनी किटी पार्टी में भी मूवी चला दी थी..
उसकी सहेलियों की लिस्ट में अनीता और दिव्या दो ऐसी थीं जो महीने में एक दो बार दोपहर उसके घर रहतीं और तीनों बियर और पोर्न मूवी का मजा लेतीं।
दिव्या और रेखा तो एक बार हमबिस्तर भी हो चुकी हैं पर उस दोपहर रेखा ने दिव्या की चूत में पता नहीं क्या क्या कर दिया तो दिव्या ने तो उस दिन के बाद कभी हिम्मत नहीं की रेखा को मौका देने की!

रेखा हफ्ते में दो चार नई मूवी डाउनलोड कर लेती जिसे वो और अनिल रात को बड़ी स्क्रीन पर देखते।
रेखा ने कॉपर टी लगवा रखी थी क्योंकि कंडोम से सेक्स मजा न तो उसे आता था न अनिल को!
रेखा के मम्मे भारी होने से अक्सर उसे यह महसूस होता कि लोग उसे घूर रहे हैं… ऐसे में वो बिलकुल असहज नहीं होती बल्कि अगली बार और टाइट टी शर्ट पहन कर निकलती।

कॉलोनी में तो वो अक्सर ही शॉर्ट्स में घूम लेती।

हॉस्टल में उसे सिगरेट का शौक भी लग गया था, अनिल नहीं पीता था पर उसने रेखा को मन नहीं किया क्यों अनिल ड्रिंक ले लेता था और रेखा सिर्फ बियर तक सीमित थी।

अब दोनों में यह तय हुआ कि कभी कभी अनिल रेखा का साथ देने को स्मोक कर लेगा और रेखा अनिल का साथ देने के भर लिए बियर में व्हिस्की मिला लेगी।

अनिल को अपनी पार्टीज के लिए अक्सर डिनर पर जाना होता या घर पर पार्टी होती तो उसमें रेखा का जलवा अलग ही होता! इन दोनों की पार्टीज को सभी एन्जॉय करते थे और मर्दों के तम्बू तन कर ही घर जाते थे।

रेखा को पराये मर्दों से कोई परहेज नहीं होता था और यह खुला व्यवहार अनिल को व्यापार में बहुत मदद करता था इसलिए उसकी कंपनी घर की पार्टीज का खर्चा भी खुशी खुशी पेमेंट करती थीं, इन्हीं फालतू कमाइयों से रेखा के अपने खर्चे निकलते थे।

एक दिन अनिल को मालूम पड़ा कि उसकी कंपनी में नया जीएम आया है और उसने उसे ऑफिस में बुलाया है।
जीएम यानी सबसे बड़ा अधिकारी, उसे खुश रखना हर निचले अधिकारी का फर्ज होता है।

अनिल ने वाशरूम में जाकर अपने ऑउटफिट को चेक किया और अपनी रिपोर्ट्स लेकर मिलने गया।
समीर उसी की उम्र का और बहुत आकर्षक व्यक्तित्व का आदमी था, उसने बहुत मिलनसार ढंग से अनिल से हाथ मिलाया और उसकी सारी रिपोर्ट्स देखीं।
उसने अनिल से यग चाहा कि कंपनी को सेल्स दुगनी करनी हैं और इसकी जिम्मेदारी मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव होने के नाते अनिल की है।

अनिल ने एक बार तो कहा कि एकदम दुगनी नहीं हो सकती तो समीर ने सख्त लहजे में कहा कि उसने इस जवाब की उम्मीद उससे नहीं की थी, वो यह तो पूछ सकता है कि कैसे होगी पर नहीं होगी, ये वो नहीं कह सकता !

फिर समीर ने उसे कुछ स्लाइड्स दिखाई, नए लांच होने वाले प्रोडक्ट्स और कुछ कंज्यूमर स्कीम बताई तो अनिल को भी लगा कि हाँ हो सकता है…
और जब समीर ने उसे यह बताया कि कंपनी की तरफ से उसे नई गाड़ी और ड्राईवर दिया जा रहा है… कंपनी को तो बस सेल्स चाहियें… अनिल समीर की प्लानिंग का कायल हो गया।

इतनी में कॉफ़ी आ गई, माहौल कुछ रिलैक्स हुआ।

समीर ने उसके परिवार के बारे में पूछा और अपने बारे में बताया, समीर की शादी पिछले साल ही हुई थी और उसकी बीवी अभी 15 दिन बाद आयेगी।
समीर को एक फ्लैट चाहिए था।

अनिल ने समीर को रात को डिनर पर बुलाया और यह कह दिया- सर आज आप बॉस बन कर नहीं फ्रेंड बन कर आना !
अपने केबिन में आकर अनिल ने रेखा को सब बताया।

शाम को 8 बजे समीर ने अनिल के फ्लैट की घंटी बजाई, अनिल ने गेट खोला।
समीर रेड टी शर्ट और जीन्स में था… उसके हाथ में एक बड़ा सा रेड रोज का बुके और चॉकलेट का डिब्बा था।

अनिल के पीछे रेखा खड़ी थी अपने कातिलाना अंदाज और पोशाक में… उसने लॉन्ग मिडी पहनी थी, हाई हील और ऊपर बंधे बाल रेड नेलपेंट से पेंटेड नेल्स रेड लिपस्टिक…

कुल मिला कर समीर की घंटी बजाने के लिए काफी था।
रही सही कसर रेखा ने हाथ मिला कर पूरी कर दी, समीर को 440 वोल्ट का करेंट लगा, वो तो बुके और चॉकलेट देना भूल सा गया।
रेखा ने हंसते हुए कहा- हाय समीर!
और आगे बढ़कर उसे चूम लिया।
अनिल भौंचक्का रह गया कि रेखा यह क्या कर रही है!

समीर भी रेखा से लगभग लिपटता हुआ बोला- ओ यू पूसी कैट… असल में रेखा और समीर स्कूल में दोस्त थे और दोनों की बहुत पटती थी… वक्त से सब अलग अलग हो गए और आज 6 सालों बाद मिले…

जब दिन में अनिल ने रेखा को समीर का नाम लिया तो रेखा के दिमाग में अचानक पुराने समीर का ख्याल आया और उसने फेसबुक पर सर्च किया तो समीर उसे मिल गया और उसने अपने स्टेटस में अपनी नई जोइनिंग का जिक्र किया था तो रेखा समझ गई कि शाम को कौन आ रहा है, पर उसने सरप्राइज देने के लिए अनिल को कुछ नहीं बताया।

अब तो सारा माहौल ही बदल गया, समीर ने अनिल से हंसते ही कहा- यार, तुमने तो मेरी माशूका से ही शादी कर ली…
अनिल के पास तो शब्द ही नहीं थे पर रेखा बोली- तो क्या हुआ, अब एक्सचेंज कर लेते हैं… तुम अपनी बीवी से पूछ लेना!
सब हंस पड़े।

अनिल ने ड्रिंक्स लगा दिए… रेखा का भी स्माल पेग बनाया… म्यूजिक चल रहा था, समीर ने रेखा की ओर हाथ बढ़ाया और अनिल से पूछा कि उसे तो कोई प्रॉब्लम नहीं अगर वो रेखा के साथ डांस करे..
अनिल मुस्कुरा कर बोला- यू आर मोस्ट वेलकम…

रेखा और समीर डांस करने लगे… दोनों ने एक दूसरे के कन्धों पर हाथ रखा हुआ था पर शालीनता से डांस कर रहे थे दोनों !
समीर विदेश से पढ़ा हुआ था और उसे अपने पद की मर्यादा मालूम थी।

रात को डिनर के बाद जाते समय समीर ने फिर अनिल को एक फ्लैट ढूँढने को कहा… तो अनिल ने उसे ऊपर का पोरशन दिखा दिया। समीर ने तुरंत ही हाँ कर दी.. पर रेखा से बड़े अधिकार से कहा कि एक हफ्ते उसके खाने की जिम्मेदारी रेखा को ही उठानी पड़ेगी जब तक समीर की वाइफ प्रिया न आ जाए !
रेखा ने बड़ी खुशी खुशी हाँ कर दी।

अगले दिन ऑफिस में समीर ने फ्लैट का रेंट एग्रीमेंट बनाकर अनिल के केबिन में भिजवा दिया। अनिल चौंक गया.. उसने जो किराया सोचा था उससे बहुत ज्यादा समीर ने लिखा था इसमें !

उसने साईन करके भिजवा दिया और उधर रेखा ने कॉलोनी से ही आदमी लगवा कर फ्लैट को बढ़िया करवा दिया।
ऑफिस का ड्राईवर समीर का सामन दे गया था, रेखा ने समीर को फोन करके उससे पूछ कर सामन खोलकर वार्डरोब में लगा दिया। सामान में उसे कंडोम का पैकेट दिखा.. वो मुस्कुरा दी… मतलब समीर सारी तैयारी लेकर चला है ।रेखा ने फ्लैट के अंदर वाला जीना तो लॉक कर दिया।

आज अनिल को नई गाड़ी और ड्राईवर मिल गया था और उसे अगले ही दिन टूर पर जाना था दो दिन के लिए !

शाम को समीर तो 5 बजे ही आ गया था. उसके साथ ऑफिस का लड़का था फ़्लैट की सफ़ाई के लिए… पर जब उसने देखा कि फ्लैट तो चमक रहा है तो समीर ने उस लड़के को

वापिस भेज दिया।

रेखा ने समीर को चाय के लिए बुलाया।
समीर अंदर वाले जीने से आना चाह रहा था पर जब उसने देखा कि वो लॉक है तो वो बाहर से आया।
रेखा ने उससे कह दिया कि जीना भले ही लॉक है पर उसे जब भी आना हो वो नॉक कर दे, रेखा खोल देगी।

कॉलेज की गप्पों के बाद समीर अंदर से ही ऊपर चला गया।
रेखा ने गेट लॉक कर दिया, समीर ने देखा कि उसके तरफ से लॉक होल से इधर का देखा जा सकता है और उसे ये देखते रेखा ने भी देख लिया पर कहा कुछ नहीं!

इससे पहले भी एक बार कम्पनी का एक एग्जीक्यूटिव जर्मनी से आया था और इसी फ्लैट में ठहरा था तो रेखा ने कई बार इस होल में से उधर झांक कर देखा था।

रेखा ने समीर का भड़काने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी और उसे मालूम था कि समीर इस होल से झांकेगा जरूर!

कहानी जारी रहेगी।
enjoysunny6969@gmail.com

# Other stories you may be interested in

## चुदने को बेताब मेरी प्यासी जवानी-1

दोस्तो, मेरा नाम ऋतु है, ऋतु वर्मा, सरनेम पर मत जाइए, मैं एक बंगाली लड़की हूँ। उम्र है 24 साल, लेकिन ब्रा मैं 38 साइज़ का पहनती हूँ। देखा 38 साइज़ सुनते ही मुंह में पानी आ गया न आपके। […]
Full Story >>>

## चाची को चोद कर अपना लिया

ये कहानी मेरे एक दोस्त की है. मैं उसकी तरफ से ये कहानी प्रस्तुत कर रहा हूँ. मेरा नाम अमित है और मेरी उम्र 26 साल है. मेरे घर में मेरे पिताजी और चाचा का परिवार है, हम सब एक […]
Full Story >>>

## देसी भाभी का वासना भरा प्यार

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम मुकेश कुमार है. मैं 28 वर्ष का 5 फुट 6 इंच का सामान्य कद काठी का दिल्ली का रहने वाला आदमी हूँ. मेरे लिंग का आकार मैंने कभी मापा तो नहीं, पर लगभग साढ़े छह इंच […]
Full Story >>>

## दोस्त की जुगाड़ भाभी की डबल चुदाई

मेरे प्यारे दोस्तो, कैसे हो आप सब … मैं आपका दोस्त शिवराज एक बार फिर से एक सच्ची घटना लेकर आया हूँ. आप सबका जो प्यार मुझे मिला, वो ऐसे ही देते रहना. इस बार मैं आपको एक हसीन हादसा, […]
Full Story >>>

## टीचर की यौन वासना की तृप्ति-11

इस सेक्सी स्टोरी में अब तक आपने पढ़ा कि नम्रता मेरे साथ मेरे घर आ चुकी थी और हम दोनों मेरे घर के बेडरूम में चुदाई के पहले का खेल खेलने लगे थे. अब आगे : फिर मैंने उसके पैरों के […]
Full Story >>>